SarkariExam.com

09 सितम्बर 2021

1. पीएम मोदी ने विद्यांजलि पोर्टल किया लॉन्च

- **07 सितंबर, 2021** को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **विद्यांजलि पोर्टल** (Vidyanjali Portal) और **शिक्षा क्षेत्र में कई** अन्य पहलों को लॉन्च किया है। यह पहलें भारत के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। 'शिक्षक पर्व' के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह पहलें लॉन्च की गई।
- विद्यांजलि पोर्टल स्कूल विकास के लिए शिक्षा स्वयंसेवकों, दाताओं या CSR योगदानकर्ताओं की सुविधा के उद्देश्य से शुरू किया गया था।

❑ **विद्यांजलि पोर्टल**

- विद्यांजलि पोर्टल समुदाय या स्वयंसेवकों को उनकी पसंद के सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों से सीधे जुड़कर योगदान करने में सक्षम बनाने के लिए लॉन्च किया गया है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जो भारत का नागरिक है, NRI, PIO या भारत में पंजीकृत कोई भी संगठन, संस्थान, कंपनी और समूह निम्नलिखित दो तरीकों से स्वेच्छा से योगदान दे सकता है।
- संपत्ति या सामग्री या उपकरण जैसे बुनियादी नागरिक बुनियादी ढांचा, कक्षा समर्थन सामग्री और उपकरण, बुनियादी विद्युत बुनियादी ढांचा, डिजिटल बुनियादी ढांचा, पाठ्येतर गतिविधियों के लिए उपकरण, खेल, योग और स्वास्थ्य आदि।
- सेवारत और सेवानिवृत्त शिक्षक, वैज्ञानिक, सरकारी या अर्ध सरकारी अधिकारी, स्व-रोजगार और वेतनभोगी पेशेवर, सेवानिवृत्त सशस्त्र बल कर्मी, शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व छात्र, गृहिणी और अन्य साक्षर व्यक्ति अनुरोध पर स्कूल में स्वयंसेवा के रूप में योगदान दे सकते हैं।

❑ **पीएम नरेंद्र मोदी ने की प्रमुख शिक्षा पहलें लॉन्च की**

SarkariExam.com

1. भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश (बधिरों के लिए ऑडियो और टेक्स्ट एम्बेडेड सांकेतिक भाषा वीडियो)
2. टॉकिंग बुक्स (नेत्रहीनों के लिए ऑडियो बुक्स)
3. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) का स्कूल गुणवत्ता आश्वासन और मूल्यांकन ढांचा
4. निष्ठा (NISHTHA) : निपुण भारत के लिए एक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❑ **शिक्षक पर्व-2021**

- **शिक्षा पर्व-2021** को शिक्षा मंत्रालय द्वारा लॉन्च किया गया था। इसका उत्सव 5 सितंबर को शुरू हुआ और 17 सितंबर, 2021 को समाप्त होगा। यह शिक्षकों के मूल्यवान योगदान को सम्मान देने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को आगे ले जाने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

2. दिल्ली सरकार ने लॉन्च किया 'बिजनेस ब्लास्टर्स' कार्यक्रम

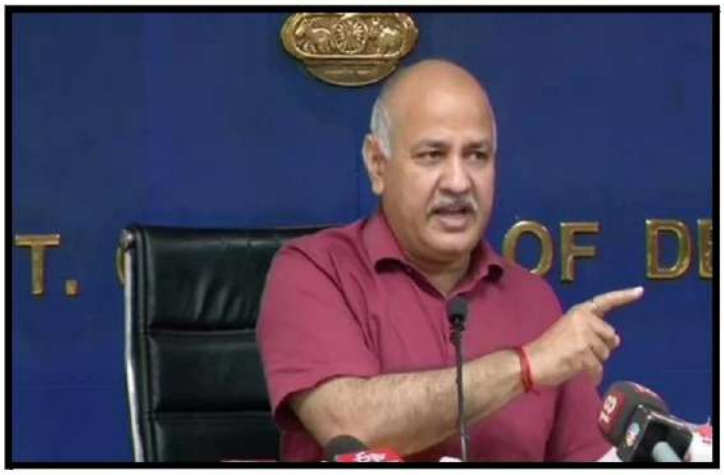

- 07 सितंबर, 2021 को दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 'बिजनेस ब्लास्टर्स' कार्यक्रम लॉन्च किया। यह कार्यक्रम स्कूल स्तर पर युवा उद्यमियों को विकसित करने के उद्देश्य से छात्रों को व्यवसाय शुरू करने के लिए कुछ 'बीज राशि' (Seed money) प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।
- इसे 'उद्यमिता मानसिकता पाठ्यक्रम (Entrepreneurship Mindset Curriculum – EMC)' के तहत दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में लागू किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम के तहत कक्षा 11 और 12 के छात्रों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए 2,000 रुपये की 'बीज राशि' प्रदान की जाएगी।
- पायलट प्रोजेक्ट के तहत स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खिचड़ीपुर में इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसमें 41 छात्रों के 9 ग्रुप बनाए गए और उन्हें 1,000 रुपये की बीज राशि प्रदान की गई। इसमें उन्हें भारी मुनाफा हुआ।
- 'बिजनेस ब्लास्टर्स' प्रोग्राम भारत की प्रगति का आधार बनेगा। अगर इस कार्यक्रम को सही तरीके से लागू किया जाए तो यह भारत को विकासशील देश से विकसित देश में ले जा सकता है। इससे बेरोजगारी की समस्या का समाधान करने में भी मदद मिलेगी।

3. तमिलनाडु सरकार पेरियार की जयंती को सामाजिक न्याय दिवस के रूप में मनाएगी

- तमिलनाडु सरकार ने सुधारवादी नेता ई.वी. रामासामी पेरियार की जयंती 'सामाजिक न्याय दिवस' (Social Justice Day) मनाने का फैसला किया है। ई.वी. रामासामी पेरियार का जन्म 17 सितंबर को हुआ था। इस दिन को अब हर साल 'सामाजिक न्याय दिवस' के रूप में मनाया जाएगा।
- पेरियार की विचारधारा सामाजिक न्याय, समानता, आत्म-सम्मान और तर्कवाद के बारे में थी। इसने पिछली शताब्दी के दौरान तमिल समाज के विकास की आधारशिला रखी।ये विचारधाराएँ भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी।
- हर साल 17 सितंबर को सभी सरकारी कार्यालयों और राज्य सचिवालय के कर्मचारी समानता, भाईचारे, स्वाभिमान और तर्कवाद जैसे उच्च आदर्शों के आधार पर मूल्यों का पालन करने का संकल्प लेंगे।
- मुख्यमंत्री के अनुसार, तमिल समाज के लिए पेरियार की सेवाएं पहले संवैधानिक संशोधन अधिनियम के अधिनियमन में महत्वपूर्ण थीं, जिसने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की रक्षा की।

❑ इरोड वेंकटप्पा रामासामी पेरियार

- उन्हें आमतौर पर पेरियार या थान्थाई पेरियार के नाम से जाना जाता था। वह एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने Self-Respect Movement और द्रविड़ कड़गम शुरू किया और उन्हें 'द्रविड़ आंदोलन के पिता' के रूप में जाना जाता है।

4. वर्ष 2023 में G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा भारत, पीयूष गोयल को नियुक्त किया गया शेरपा

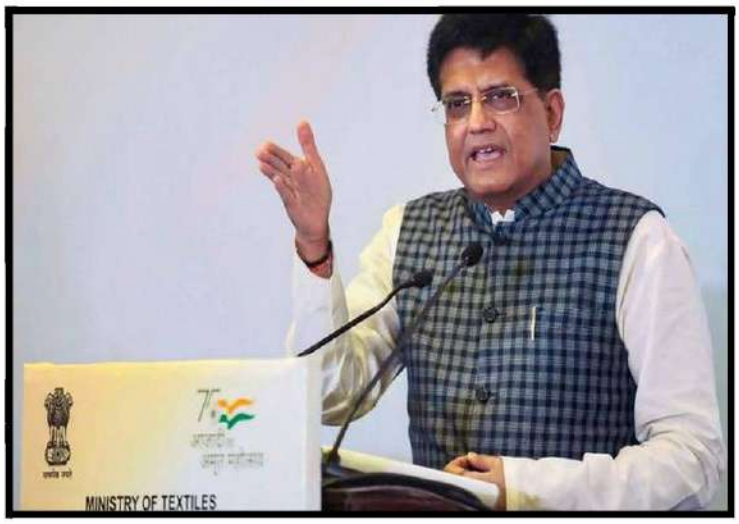

- केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाने वाले समूह जी20 के लिए भारत का शेरपा नियुक्त किया गया है।
- इसकी घोषणा करते हुए विदेश मंत्रालय ने 07 सितंबर को कहा कि भारत 01 दिसंबर, 2022 से जी20 समूह की अध्यक्षता करेगा और 2023 में पहली बार जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। जी20 देशों की अगली

बैठक 30-31 अक्टूबर को इटली की अध्यक्षता में होनी है। इटली जी-20 का मौजूदा अध्यक्ष है।

- **क्या है शेरपा**
- शेरपा जी20 सदस्य देशों के नेताओं का प्रतिनिधि होता है, जो सम्मेलन के एजेंडे के बीच समन्वय बनाता है, साथ ही सदस्य देशों के साथ मिलकर आर्थिक, राजनीतिक और वैश्विक चर्चा के एजेंडे को लेकर बात करता है।
- **2022 से जी20 की अध्यक्षता करेगा भारत**
- चूंकि भारत 1 दिसंबर 2022 से जी20 की अध्यक्षता करेगा और 2023 में पहली बार जी20 लीडर्स समिट का आयोजन करेगा। इसलिए यह नियुक्ती महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2014 से जी-20 देशों की शिखर वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व करते रहे हैं।
- **ट्रोइका का भी हिस्सा होगा देश**
- 1999 में जी20 की स्थापना के बाद से भारत इसका सदस्य रहा है। जी-20 की परिपाटी के अनुसार भारत इस वर्ष 01 दिसम्बर से 30 नवम्बर 2024 तक मंच के त्रिगुट का हिस्सा रहेगा। साथ ही भारत ट्रोइका (पूर्ववर्ती, वर्तमान और आने वाली G20 प्रेसीडेंसी) का हिस्सा होगा। अर्थात भारत पिछले वर्ष के अध्यक्ष देश एवं अगले वर्ष के अध्यक्ष देश के साथ समन्वय स्थापित करके कार्य करेगा।

5. हर्ष भूपेंद्र बंगारी बनी एक्जिम बैंक के नए एमडी

- सितंबर, 2021 में केन्द्र सरकार ने हर्ष भूपेंद्र बंगारी को भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का नया प्रबंध निदेशक (MD) नियुक्त किया है। इससे पहले बंगारी एक्जिम बैंक में उप प्रबंध निदेशक के पद पर तैनात थे।
- उन्हें तीन साल की अवधि के लिए या सरकार के अगले आदेश तक नियुक्त किया गया है। वह मौजूदा एमडी डेविड रसकिन्हा की जगह लेंगे, जिन्हें इससे पहले 20 जुलाई 2014 को पांच साल के लिए नियुक्त किया गया था।
- **एक्ज़िम बैंक (EXIM Bank)**
- एक्ज़िम बैंक ऑफ इंडिया (एक्ज़िम बैंक) की स्थापना एक संसदीय अधिनियम (Act of

Parliament) के तहत वर्ष 1982 में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के वित्तपोषण, इसे सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिये शीर्ष वित्तीय संस्थान के रूप में की गई थी।

- यह बैंक मुख्यतः भारत से किये जाने वाले निर्यात के लिये ऋण उपलब्ध कराता है। भारत के विकासात्मक एवं बुनियादी ढाँचागत परियोजनाओं, उपकरणों, वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात के लिये विदेशी खरीदारों और भारतीय आपूर्तिकर्त्ताओं को आवश्यक सहायता देना भी इसमें शामिल है। इसका नियमन भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा किया जाता है।

6. चंडीगढ़ के लिए विकसित किया गया भारत का पहला 'पराग कैलेंडर'

- 'पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च' (PGIMER) और 'पंजाब विश्वविद्यालय' ने चंडीगढ़ के लिये एक 'पराग कैलेंडर' (PC) विकसित किया है, जो भारत के किसी शहर के लिये अपनी तरह का पहला प्रयास है। पराग कैलेंडर को लगभग दो वर्षों तक हवाई/वायुजनित पराग और इसके मौसमी बदलावों का अध्ययन करने के बाद बनाया गया था।

पराग कैलेंडर (PC)

- पराग कैलेंडर (PC) एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र में मौजूद हवाई/वायुजनित पराग के समय की गतिशीलता का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे एक ही चित्र में पूरे वर्ष में मौजूद विभिन्न वायुजनित परागों के बारे में आसानी से सुलभ दृश्य विवरण प्राप्त करते हैं। 'पराग कैलेंडर' प्रायः स्थान-विशिष्ट होते हैं, जिसमें पराग की सांद्रता स्थानीय रूप से वितरित वनस्पतियों से निकटता से संबंधित होती है।
- यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका द्वारा 'एलर्जिक राइनाइटिस'/'हे फीवर' को रोकने तथा निदान करने एवं पराग के मौसम के समय एवं गंभीरता का अनुमान लगाने के लिये क्षेत्रीय पराग कैलेंडर का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है।

पराग

- परागकण नर जैविक संरचनाएँ हैं, जिनका प्राथमिक दायित्व 'गर्भाधान' होता है, लेकिन जब मनुष्यों द्वारा साँस ली जाती है, तो वे श्वसन प्रणाली पर दबाव डाल सकते हैं और एलर्जी का कारण बन सकते हैं।
- 'पराग' पौधों द्वारा छोड़ा जाता है, जिससे लाखों लोग हे फीवर, परागण और एलर्जिक राइनाइटिस से पीड़ित होते हैं। भारत में लगभग 20-30% आबादी एलर्जिक राइनाइटिस या हे फीवर से पीड़ित है और लगभग 15% लोग अस्थमा से पीड़ित हैं।
- PGIMER के एक अध्ययन के अनुसार, वसंत और शरद ऋतु का मौसम वायुजनित पराग के लिये काफी विशिष्ट होता है, जब फेनोलॉजिकल

एवं मौसम संबंधी मापदंड पराग कणों के विकास, फैलाव और संचरण के लिये अनुकूल होते हैं।

7. आईएनएस 'हंस' को दिया गया 'प्रेसीडेंट कलर अवार्ड'

- हाल ही में भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर और भारतीय राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आईएनएस 'हंस' (गोवा स्थित भारतीय नेवल एविएशन) को 'प्रेसीडेंट कलर अवार्ड' या ध्वज प्रदान किया है। शांति और युद्ध दोनों स्थितियों में राष्ट्र को दी गई असाधारण सेवा के सम्मान में एक सैन्य इकाई को राष्ट्रपति द्वारा यह अवार्ड प्रदान किया जाता है।
- भारतीय नौसेना 27 मई, 1951 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद से ध्वज प्राप्त करने वाली पहली भारतीय सशस्त्र सेना थी। इसके बाद नौसेना में राष्ट्रपति का ध्वज प्राप्त करने वालों में दक्षिणी नौसेना कमान, पूर्वी नौसेना कमान, पश्चिमी नौसेना कमान, पूर्वी बेड़ा, पश्चिमी बेड़ा, पनडुब्बी शाखा, आईएनएस शिवाजी और भारतीय नौसेना अकादमी शामिल हैं।
- नेवल एविएशन ने पिछले सात दशकों में राष्ट्र के लिये उल्लेखनीय और वीरतापूर्ण सेवा के साथ स्वयं को प्रतिष्ठित किया है। यह शाखा 13 जनवरी, 1951 को पहले 'सी-लैंड' विमान के अधिग्रहण के साथ अस्तित्व में आई और 11 मई, 1953 को कोच्चि में 'आईएनएस गरुड़' को इसमें शामिल किया गया।
- वर्तमान में 'नेवल एविएशन' नौ 'वायु स्टेशनों' और तीन 'नौसेना वायु एन्क्लेव' के साथ भारतीय समुद्र तट, खासतौर पर अंडमान व निकोबार द्वीप समूह की सुरक्षा को मज़बूती प्रदान करता है।

आईएनएस हंस की हीरक जयंती

- भारतीय नौसेना का प्रमुख वायु स्टेशन आईएनएस हंस 05 सितंबर, 2021 को अपनी हीरक जयंती मनाई है। 1958 में सी हॉक, एलिज़ और वैम्पायर एयरक्राफ्ट के साथ कोयंबटूर में स्थापित नेवल जेट फ़्लाइट को बाद में दिनांक 5 सितंबर, 1961 को आईएनएस हंस के रूप में कमीशन किया गया था।
- गोवा की मुक्ति के बाद अप्रैल 1962 में डाबोलिम हवाई क्षेत्र को नौसेना ने अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया और आईएनएस हंस को जून 1964 में डाबोलिम में स्थानांतरित कर दिया गया ।

8. भारतीय शहरों की वायु गुणवत्ता में हुआ सुधार

- हाल ही में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने इंटरनेशनल डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्लू स्काई के अवसर पर कहा कि बेहतर वायु गुणवत्ता वाले शहरों की संख्या में वृद्धि हुई है। वर्ष 2020 में बेहतर वायु गुणवत्ता वाले शहरों की संख्या बढ़कर 104 हो गई है, जो वर्ष 2018 में 86 थी।

वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI)

- AQI लोगों को वायु गुणवत्ता की स्थिति के प्रभावी संचार के लिये एक उपकरण है, जिसे समझना आसान है। विभिन्न AQI श्रेणियों के तहत कार्यान्वयन हेतु दिल्ली एनसीआर के लिये ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान तैयार किया गया है।
- AQI को आठ प्रदूषकों के लिये विकसित किया गया है- PM2.5, PM10, अमोनिया, लेड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, ओज़ोन और कार्बन मोनोऑक्साइड।

पार्टिकुलेट मैटर/कणिका पदार्थ

- 'पार्टिकुलेट मैटर', जिसे 'कण प्रदूषण' भी कहा जाता है, का आशय हवा में पाए जाने वाले ठोस कणों और तरल बूँदों के मिश्रण से है। यह श्वसन संबंधी समस्याओं का कारण बनता है और दृश्यता को भी कम करता है।
- इसमें शामिल हैं- PM10: श्वसन योग्य वे कण जिनका व्यास प्रायः 10 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है; PM2.5: अतिसूक्ष्म श्वसन योग्य वे कण जिनका व्यास प्रायः 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम होता है।

हालिया घटनाक्रम

- दिल्ली के आनंद विहार में पहले कार्यात्मक स्मॉग टॉवर (Smog Tower) का भी उद्घाटन किया तथा वायु प्रदूषण या 'प्राण' (Prana) के नियमन के लिये पोर्टल का शुभारंभ किया। इससे पूर्व दिल्ली के कनॉट प्लेस में एक स्मॉग टॉवर स्थापित किया गया था तथा चंडीगढ़ में भारत के सबसे ऊँचे वायु शोधक (Air Purifier) का भी उद्घाटन किया गया था।

9. उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने दिया अपने पद से इस्तीफा

- 08 सितंबर 2021 को उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने पद से इस्तीफा दिया है। राज्यपाल ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भेज दिया है। उन्होंने बताया कि राज्यपाल ने व्यक्तिगत कारणों के चलते इस्तीफा दिया है।
- बेबी रानी मौर्य दो दिन पहले नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलीं थीं। इस इस्तीफे के साथ ही राज्य का आठवें राज्यपाल को लेकर इंतजार बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। कयास ये भी हैं कि उत्तर प्रदेश की सियासत में वह सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। भाजपा चुनाव के मद्देनजर उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप सकती है।
- बेबी रानी मौर्य ने 26 अगस्त 2018 को उत्तराखंड के राज्यपाल पद की शपथ ली थी। उन्होंने तत्कालीन राज्यपाल केके पॉल की जगह ली थी। वे इससे पहले उत्तर प्रदेश के आगरा में मेयर भी रही हैं। दलित नेता बेबी रानी मौर्य 2007 में यूपी विधानसभा चुनाव में एतमादपुर सीट से लड़ी थीं और जीत भी दर्ज की थी।
- रानी मौर्य उत्तराखंड की दूसरी महिला गवर्नर थीं। इससे पहले, मार्गरेट अल्वा अगस्त 2009 से मई 2012 तक उत्तराखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं। मौर्य का जन्म 15 अगस्त 1956 को हुआ था।
- बता दें कि अगले साल उत्तराखंड, यूपी समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसी कड़ी में बीजेपी ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर के लिए अपने प्रभारियों और सह प्रभारियों के नाम का ऐलान कर दिया। धर्मेंद्र प्रधान (यूपी), प्रल्हाद जोशी (उत्तराखंड), गजेंद्र सिंह शेखावत (पंजाब), भूपेंद्र यादव (मणिपुर), देवेंद्र फडनवीस (गोवा) को प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने क्षेत्र के हिसाब से भी प्रभारियों की नियुक्ति की है।

❑ राज्यपाल की पदावधि/कार्यकाल (अनुच्छेद 156)

- अनुच्छेद 156 के अनुसार राज्यपाल अपने पदग्रहण की तारीख से पाँच वर्ष तक पद पर बना रहेगा। राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है। राज्यपाल राष्ट्रपति को संबोधित करके त्यागपत्र देता है।
- राष्ट्रपति किसी भी राज्यपाल को उसके बचे हुए कार्यकाल के लिए किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित कर सकता हैं। राज्यपाल को दोबारा नियुक्त किया जा सकता है। राज्यपाल अपने कार्यकाल के बाद भी तब तक पद पर बना रहता है जब तक उसका उत्तराधिकारी कार्यग्रहण नहीं कर ले।

10. तालिबान ने अफगानिस्तान में कार्यवाहक सरकार का किया ऐलान

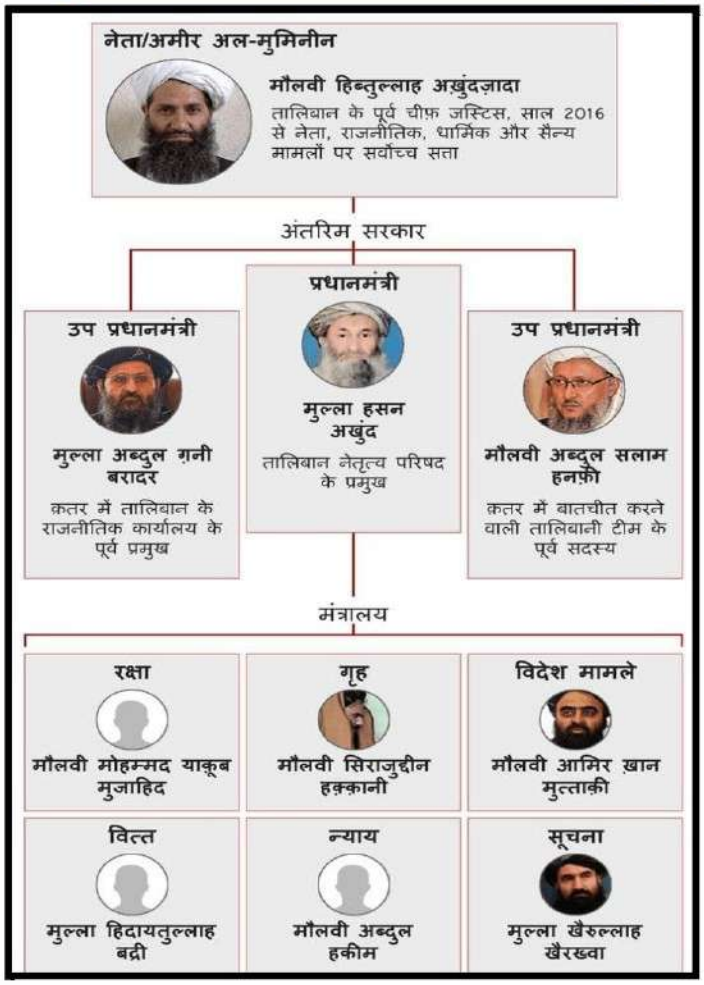

- तालिबान ने अफगानिस्तान में नई सरकार की घोषणा कर दी है, लेकिन ये एक "कार्यवाहक सरकार" होगी। मुल्ला हसन अखुंद अफगानिस्तान में तालिबान की नई सरकार का नेतृत्व करेंगे। तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्लाह मुजाहिद ने 07 सितंबर को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नई कार्यवाहक सरकार की घोषणा की। तालिबान के संस्थापकों में से एक मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद सरकार के मुखिया यानी प्रधानमंत्री होंगे और मुल्ला अब्दुल ग़नी बरादर उप प्रधानमंत्री होंगे। मुल्ला अब्दुल ग़नी बरादर तालिबान के सह-संस्थापक हैं।
- मुल्ला अब्दुल सलाम हनफी को भी उप प्रधानमंत्री बनाया गया है। अखुंद की अगुवाई में गठित होने वाली सरकार में मुल्ला याकूब रक्षा मंत्री होंगे और सिराजुद्दीन हक्कानी गृह मंत्री होंगे। अंतरिम सरकार में रक्षा मंत्री बनाए गए याकूब तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे हैं। आमिर ख़ान मुत्तक़ी को विदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी गई है।
- बता दे की इस सरकार में कोई महिला मंत्री नहीं है। तालिबान की नई सरकार में दो उप-प्रधानमंत्री होंगे। मुल्ला बरादर के अतिरिक्त मुल्ला अब्दुल सलाम हंफू भी उप प्रधानमंत्री होंगे। मोहम्मद हसन अखुंद तालिबान के संस्थापकों में से एक हैं।
- अफगानिस्तान में तालिबान की पिछली सरकार (1996-2001) के दौरान वो गवर्नर और मंत्री रह चुके हैं। वे तालिबान के संस्थापक और पूर्व सुप्रीम लीडर मुल्ला उमर के सलाहकार थे।
- प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए हसन अखुंद कंधार से ताल्लुक रखते हैं और तालिबान के संस्थापकों में से हैं। उन्होंने 'रहबरी शूरा' के प्रमुख के रूप में 20 साल तक काम किया और मुल्ला हिबातुल्ला के करीब माने जाते हैं। उन्होंने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान में तालिबान की पिछली सरकार के दौरान विदेश मंत्री और उप प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया था।
- तालिबान ने बीते 15 अगस्त को काबुल पर कब्ज़ा किया था। तालिबान के नेता बीते कुछ दिन से जानकारी दे रहे थे कि वो सरकार गठन के लिए बातचीत कर रहे हैं। अंतरिम मंत्रिमंडल

SarkariExam.com

के घोषणा को तालिबान सरकार के गठन की दिशा में अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

- तालिबान ने अफगानिस्तान में समावेशी सरकार के गठन का दावा किया था। तालिबान ने 06 सितंबर 2021 को पंजशीर पर कब्ज़े का घोषणा किया। अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद तालिबान ने दुनिया को यह बार-बार भरोसा दिलाया था कि नई सरकार उदार होगी।

SarkariExam.com